रजिस्ट्री सं. डी. (डी.एन.)-127 REGISTERED NO. D. (D.N.) 127

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 108] नई दिल्ली, सोमवार, मई 27, 1991/ज्येष्ठ 6, 1913
No. 108] NEW DELHI, MONDAY, MAY 27, 1991/JYAISTHA 6, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मई, 1991

निधन-सूचना

सं. 3/1/91-पब्लिक :—भारत के भूतपूर्व प्रधान मंत्री व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (आई) के अध्यक्ष, श्री राजीव गांधी का दिनांक 21 मई, 1991 को मद्रास के समीप श्रीपेरमबुदूर में एक बम विस्फोट में निधन हो गया।

श्री राजीव गांधी के निधन से राष्ट्र ने एक ऐसा युवा नेता को खो दिया है जिसने अपने दल एवं सरकार का समर्पित भावना, दृढ़ साहस और मिशनरी उत्साह से नेतृत्व किया। उनकी बर्बरतापूर्ण हत्या से सम्पूर्ण देश में दुःख की लहर फैल गई है।

अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के नेता, श्री राजीव गांधी का जन्म 20 अगस्त, 1944 को बम्बई में श्रीमती इन्दिरा गांधी और श्री फिरोज गांधी के परिवार में हुआ। उनकी प्रारम्भिक शिक्षा दून स्कूल में हुई और फिर उन्होंने ट्रिनिटी कालेज, केम्ब्रिज और इम्पीरियल कालेज, लन्दन में मैकनिकल इंजीनियरिंग में अध्ययन किया। 1968 में नई दिल्ली में सुश्री सोनिया माइनो से उनका विवाह हुआ। इन्डियन एयरलाइन्स में एक पायलट के रूप में अपनी आजीविका प्रारम्भ करते हुए, उन्होंने जून 1980 में अपने छोटे भाई, श्री संजय गांधी के आकस्मिक निधन के उपरान्त सार्वजनिक जीवन में प्रवेश किया।

श्री राजीव गांधी 1981 में एक उप-चुनाव में अमेठी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र से पहली बार चुने गए और बाद में वे कांग्रेस (आई) पार्टी के महासचिव बने। उन्होंने 31 अक्तूबर, 1984 को श्रीमती इन्दिरा गांधी की हत्या के कुछ ही घंटों बाद 40 वर्ष की आयु में भारत के प्रधान मंत्री का कार्यभार संभाला और उसी वर्ष दिसम्बर में लोक सभा चुनावों में तीन चौथाई सीटें जीतकर अपने दल को भारी

सफलता दिलवाई। वे विश्व में सबसे कम आयु के निर्वाचित शासनाध्यक्ष बने।

देश के प्रधान मंत्री के रूप में श्री राजीव गांधी ने 1985 में ऐतिहासिक पंजाब समझौते, 1987 में भारत श्रीलंका शान्ति समझौते पर हस्ताक्षर किए और 1988 में मालदीव में आपातकालीन सैन्य सहायता भेजकर व्यापक ख्याति अर्जित की। उन्होंने पाकिस्तान और चीन के साथ द्विपक्षीय व्यापार संधियों को भी औपचारिक रूप दिया और 1988 में अपनी बीजिंग यात्रा से भारत-चीन संबंधों को मधुर बनाने का श्रेय प्राप्त किया। अपने देश में श्री राजीव गांधी ने अर्थ व्यवस्था के लिए अत्यधिक आवश्यक उदारीकरण तथा आधुनिकीकरण को गति तथा पर्यावरण संरक्षण और गरीबी दूर करने के कार्यक्रमों को तीव्रता प्रदान की।

अपनी प्रगाढ़ देश भक्ति, गतिशीलता तथा दूरदर्शिता के कारण श्री राजीव गांधी आने वाले समय में भारतीय जनमानस के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे।

आर.के. भार्गव, सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th May, 1991

OBITUARY

No. 3/1/91–Public.—Shri Rajiv Gandhi, former Prime Minister of India and President, All India Congress Committee (I), died in a bomb explosion at Sriperumbudur near Madras on 21st May, 1991.

In the demise of Shri Rajiv Gandhi the nation has lost a young leader who led his party and headed the Government with dedication, courage of conviction and missionary zeal. His brutal assassination has sent shock waves throughout the country.

A leader of international stature, Shri Rajiv Gandhi was born on 20th August, 1944 in Bombay to Smt. Indira Gandhi and Shri Feroz Gandhi. He had his early education at the Doon School and later studied Mechanical Engineering in Trinity College, Cambridge, and then in Imperial College, London. He married Sushri Sonia Maino at New Delhi in 1968. Starting his career as a pilot in the Indian Airlines, he later entered public life after the sudden demise of his younger brother, Shri Sanjay Gandhi, in June, 1980.

Shri Rajiv Gandhi was first returned from the Amethi Lok Sabha Constituency in a bye-election in 1981 and later became the General Secretary of the Congress (I) Party. He took over as the Prime Minister of India hours after the assassination of Smt. Indira Gandhi on 31st October, 1984, at the age of 40, and led his party to a landslide victory, winning three-fourths of the seats in the Lok Sabha in December the same year. He became one of the youngest elected heads of Government in the world.

As the Prime Minister of the country, Shri Rajiv Gandhi signed the historic Punjab Accord in 1985, the Indo-Sri Lanka Peace Accord in 1987 and won acclaim for sending emergency aid to the Maldives in 1988. He also formalised bilateral trade treaties with Pakistan and China and was responsible for a warmer India-China relations with his Beijing visit in 1988. Back home, Shri Rajiv Gandhi gave a fillip to the much-needed liberalisation and modernisation of the economy, the preservation of the environment and poverty alleviation programmes.

For his intense patriotism, dynamism and vision Shri Rajiv Gandhi will continue to be a source of inspiration for the people of India in times to come.

R.K. BHARGAVA, Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054, 1991